मुख्य परीक्षा

प्रश्न- भारत के संबंध में उदारीकरण प्राय: किसी न किसी कारण से चर्चा में आ जाता है। इस सन्दर्भ में भारत में उदारीकरण को स्पष्ट करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभावों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

(250 शब्द)

Liberalisation in relation to India often comes to discussion for some reasons. In this context, elucidating liberalisation in India, critically evaluate its effects on Indian Economy.

(250 Words)

मॉडल उत्तर

मुख्य परीक्षा

उत्तर- • भूमिका-संक्षेप में लिखिये।

फिर भारत में उदारीकरण को बताइये:-

1. उदारीकरण का संबंध मुख्य रूप से आर्थिक क्षेत्र से है। भारत में उदारीकरण की प्रक्रिया 1991 में प्रारम्भ हुई थी। उदारीकरण का अर्थ है से सरकार द्वारा मुख्य रूप से आर्थिक नियमों में ढील दिये जाने से है, जैसे- 1991 से पूर्व कई क्षेत्र ऐसे थे जहाँ निजी निवेश को अनुमति नहीं थी, किन्तु 1991 के बाद अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को निजी निवेश के लिये खोल दिया गया था।
2. उदारीकरण के कारण भारत में निजी निवेश जैसे- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विदेशी संस्थागत निवेश को अनुमति दी गयी।

फिर उदारीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव का आलोचनात्मक मूल्यांकन के तथ्यों को बताइये।

1. **सकारात्मक प्रभाव:-**

(a) आर्थिक उदारीकरण लागू होने से विश्व निर्यात में भारत का योगदान बढ़ने की सम्भावना है।

(b) भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश का प्रवाह एवं मात्रा में वृद्धि हुई है, साथ ही निवेश के साथ में तकनीकी की भी प्राप्ति हुई है।

(c) देश में पूँजी का निर्माण हुआ है, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही भारत की राष्ट्रीय आय तथा प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि हुई है।

(d) भारतीय अर्थव्यवस्था को गति मिली है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ गयी है।

(e) उदारीकरण ने सार्वजनिक क्षेत्रों में निजी निवेश को बढ़ाया है, जिससे क्षमताओं में विकास हुआ।

2. **नकारात्मक प्रभाव:-**

(a) भारत में आर्थिक उदारीकरण लागू होने से भारतीय घरेलू उद्योगों को क्षति का सामना करना पड़ रहा है।

(b) भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी संस्थागत निवेश के रूप में निवेश करने वाला निवेशक कभी भी अपना निवेश निकाल सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था नकारात्मक रूप से प्रभावित होती हैं।

(c) उदारीकरण के फलस्वरूप विदेशी निवेश सेवा क्षेत्र में हुआ है, जबकि सबसे अधिक आवश्यकता विनिर्माण क्षेत्र को है।

(d) भारतीय रिजर्व बैंक के समक्ष रूपये को विनियमित करना अधिक चुनौती पूर्ण हो गया है।

अंत में संक्षिप्त एवं संतुलित निष्कर्ष दीजिए-